डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 178 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 14 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान

गरोठ, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार शाम मौसम ने अचानक करवट बदली। शाम को तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हुई। यह बारिश लगभग 30 मिनट तक जारी रही। बताया गया है कि इस अप्रत्याशित बारिश से किसानों को नुकसान हुआ है। खेतों में खड़ी फसलें बारिश और तेज हवा से बर्बाद हो गई। तेज आंधी के कारण कई पेड़ जड़ से उखड़ गए। मौसम विभाग ने इस बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं किया था।

बरखेड़ा लोया, कुंडालिया और जोड़ना सहित कई गांवों में पानी गिरा। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई। क्योंकि, अभी कई गांवों में गेंहू की फसल खड़ी है। साथ ही कई जगह पर तो फसल कटकर रखी थी। बारिश से फसल खराब होने की आशंका है। अभी भी आसमान में बादल छाए हैं। इस बारिश ने क्षेत्र के मौसम को अचानक बदल दिया। हालांकि, इससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली है।

उदयपुर, इंदौर, अहमदाबाद, बड़ौदा के कथित प्रसिद्ध चिकित्सक...!

बाहरी डॉक्टरों के चेहरे से चल रहे नर्सिंग होम्स

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बहुचर्चित दमोह फर्जी चिकित्सा कांड के बाद मंदसौर के स्वास्थ्य विभाग में हर बार की तरह कोई हलचल नजर नहीं आई। वह हलचल कार्रवाई के रूप में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ हो या नियम कायदों को ताक पर रखकर चल रहे कई निजी नर्सिंग के खिलाफ। दमोह में जब फर्जी चिकित्सा कांड सामने आया तो पता चला कि आरोपी डॉक्टर के पास सर्जरी करने का अधिकार ही नहीं था। कई फर्जी दस्तावेज मिले। अब मंदसौर की बात करें तो मंदसौर के निजी नर्सिंग होम्स बाहरी चिकित्सकों के चेहरे पर चल रहे हैं। वह चाहे मंदसौर के नामी चिकित्सक हो या बाहर से अर्थात इंदौर, उदयपुर, बड़ौदा, अहमदाबाद से आने वाले कथित सुप्रसिद्ध स्पेशलिस्ट।

डिग्री पर भी सवाल...

शहर के निजी अस्पतालों या मेडिकलों पर सप्ताह में एक बार या माह में एक बार आने वाले बाहर के कथित सुप्रसिद्ध चिकित्सकों की डिग्री के बारे में स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को कोई जानकारी नहीं होती। इसके अलावा जहां से चिकित्सक आए है वहां के स्वास्थ्य विभाग को जानकारी है या नहीं, यह भी डंके की चोट पर नहीं कहा जा सकता। ऐसे में कई सवाल इन चिकित्सकों के द्वारा किए गए उपचार पर उठ सकते हैं।

तो सुप्रसिद्ध किस बात के..?

मंदसौर जैसी छोटी जगह के अनुभवी और बेहतरीन चिकित्सक डॉ वीएस मिश्र की बात करें तो उन्हें मंदसौर में ही अपने काम से फुरसत नहीं मिलती। इधर इंदौर, अहमदाबाद, उदयपुर या मुंबई जैसे बड़े शहरों के सुप्रसिद्ध चिकित्सक मंदसौर में पांच सौ रुपए फीस लेकर मरीज को देखने के लिए आते हैं, यह बात गले नहीं उतरती। मान भी लिया जाए तो अपने बड़े शहर के चिकित्सालय में मरीजों की संख्या बढ़ाने के लिए वह यहां आते हैं तो भी अपने और अपने अस्पताल के प्रचार-प्रसार की जरुरत पड़ रही है। उसमें सुप्रसिद्ध डॉक्टर किस बात के..?

मेडिकल वाले ही बुला रहे सुप्रसिद्ध को...

निजी नर्सिंग होम्स पर कोई चिकित्सक उपचार कर रहा है तो यह बात हजम भी की जा सकती है। लेकिन, मेडिकल स्टोर मतलब एक दुकान पर आकर किसी बड़े शहर का सुप्रसिद्ध चिकित्सक उपचार कर रहा है, यह कैसे गले उतर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जहां उपचार किया जाता है, वहां अस्पताल का लाईसेंस और पंजीयन सहित अन्य चीजें पूरी करना होती है। मेडिकल पर बैठकर डॉक्टर उपचार नहीं कर सकता। इसके अलावा फिर वही प्रश्न उठता है कि अगर सुप्रसिद्ध है तो मंदसौर जैसी छोटी जगह पर बड़े शहर के सुप्रसिद्ध डॉक्टर को मेडिकल पर आकर उपचार करने की क्या जरुरत पड़ गई?

मेडिकल एसोसिएशन ने मांगी थी लिस्ट...

कुछ समय पहले सरकार ने निर्देश जारी किए। जिसमें कहा गया कि एंटी बायोटिक मेडिकल रजिस्टर्ड डॉक्टर के पर्चे पर ही देंगे। यहां मेडिकल संचालक भी असमंजस में थे। इसका कारण था कि रजिस्टर्ड डॉक्टर कौन है, यह किसी को जानकारी नहीं है। इसके लिए मेडिकल एसोसिएशन ने तत्कालीन सीएमएचओ से रजिस्टर्ड डॉक्टरों की सूची भी मांगी थी। लेकिन, मेडिकल एसोसिएशन को वह सूची मिली या नहीं, इसकी जानकारी अभी तक किसी को नहीं है। सरकार के वो निर्देश भी ठंडे बस्ते में चले गए।

जय मां नालछा

नालछा माताजी का रविवार को विशेष श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्यां में श्रृद्धालुजनो ने मंदिर में माताजी के दर्शन किए। रविवार को ही मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारो भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया।

शहर के प्रमुख तीन जलस्त्रोत प्रदूषित..!

लापरवाही ने कर दिया जलस्त्रोतों के आंचल को मैला

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। करोड़ो रुपए खर्च कर चंबल का पानी मंदसौर लाया गया। जिससे शहर की प्यास बुझ सके। लेकिन, शिवना नदी, तैलिया तालाब और नाहर सैय्यद तालाबों के अलावा शहर की पुरानी बावड़ियां लंबे समय से शहर की प्यास बुझा रही है। अब करोड़ो रुपए खर्च करने का कारण है जिम्मेदारों की लापरवाही। जिसने शहर के तीनों प्रमुख जलस्त्रोतों को प्रदूषित कर दिया है। कभी पूरे शहर को जीवन देने वाले जीवनदायिनी समान जलस्त्रोत आज खुद की कोख में पानी भरने के लिए बारिश पर निर्भर हो गई हैं। शिवना हो या तेलिया तालाब या नाहर सैय्यद तालाब मानसून खत्म होते ही एक-एक बूंद के लिए तरसने लगते है। संरक्षण की योजना नगरपालिका, एप्को, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, पीचएई, पंयायती राज विभाग के अफसरों की पंचायत में ही उलझकर कागजों में दम तोड़ देती हैं। यह भी कहा जा सकता है कि करोड़ो रूपए बह गए लेकिन, पानी नहीं रूका।

योजना पर योजना, खर्च पर खर्च...

करीब 22 साल से शिवना को शुद्ध करने के लिए योजना पर योजना लाई जा रही है। करोड़ो रुपए खर्च भी किए जा चुके हैं। लेकिन, परिणाम जस का तस। जलकुंभी तक जिम्मेदार नहीं हटा पाए है। सिर्फ बारिश के पानी में बहकर शिवना का आंचल जलकुंभी से मुक्त नजर आता है। इसके बाद कहानी वहीं की वहीं। स्थिति यह है कि मंदसौर जिला मुख्यालय पर ही शिवना से रेत खनन खुलेआम हो रहा है। गधों पर लादकर रेत दिन दहाड़े ले जाई जा रही है।

तेलिया तालाब हुआ प्रदूषित...

शहर के 75 प्रतिशत हिस्से को पानी देने की क्षमता रखने वाला तेलिया तालाब असहाय नजर आ रहा है। कॉलोनियों और उद्योगों से निकलने वाला जहर इसे खत्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। इधर भराव में आ रही रुकावटों के चलते तेलिया तालाब को भरने में समय लग रहा। भूमिगत जलस्तर भी कम होने से तालाब पूरी तरह से भर नहीं पा रहा। बारिश के बाद खुद तालाब एक -एक बूंद पानी को तरसता नजर आता है।

नाहर सैय्यद तालाब...

नाहर सैय्यद तालाब की तो जिम्मेदारों ने मानों हत्या ही कर दी है। इसका अस्तित्व ही अब खतरें में है। इस तालाब को संवारने की योजनाएं फाईलों में दफन हो चुकी है। तालाब का पानी पीने योग्य तो दूर की बात है, यहां के पानी में नहाया भी नहीं जा सकता। जबकि, एक समय नाहर सैय्यद तालाब कई घरों की प्यास बुझाता था।

मंदसौर के भैसोदा में भी लगे दिग्गी गद्दार के पोस्टर

दिग्विजय सिंह ने तोड़ी चुप्पी, बोले- इन्हें पहचान लो

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के खिलाफ जगह-जगह लगे 'गद्दार' बताने वाले पोस्टर को लेकर मध्य प्रदेश में सियासी बवाल खड़ा हो गया है। कांग्रेस पोस्टर लगाने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। अभी तक मंदसौर इस पोस्टर की राजनीति से अछूता था। लेकिन, एक दिन पहले भैसोदा मंडल में भी पूर्व सीएम सिंह के गद्दार वाला पोस्टर लगा हुआ मिला। इसके बाद जिले के सोशल मीडिया ग्रुप में यह वायरल भी हुआ। इसको लेकर स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने भी सोशल मीडिया पर आपत्ति जताई। वहीं, इस मामले में अब दिग्विजय सिंह की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है। उन्होंने कहा- 'गद्दारों को पहचानों।' दरअसल वक्फ बिल के विरोध के चलते एक दिन पहले दिग्विजय सिंह को गद्दार बताते और तंज कसते हुए जगह-जगह पोस्टर लगाए गए थे। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा ये पोस्टर लगवाए गए थे। इसमें लिखा था वक्फ बिल का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह वतन के, धर्म के, पूर्वजों के गद्दार हैं।

दिग्विजय के गंभीर आरोप...

बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा पास किए गए वक्फ बिल संशोधन का मध्य प्रदेश समेत देशभर के मुस्लिम समुदाय के लोगों में विरोध हो रहा है। इसी कड़ी में पंजाब के सभी 13 सांसदों की तरह दिग्विजय सिंह ने भी वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध किया था। दिग्विजय ने इस बिल को अल्पसंख्यकों को संविधान में मिले अधिकारों का हनन बताया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, इन्हें सिर्फ हिंदू-मुसलमान करने के अलावा कोई काम नहीं है।

'सरकार सिर्फ हिंदू-मुसलमान करने में जुटी'

दिग्विजय सिंह ने ग्वालियर में कहा 'वक्फ संशोधन बिल जो लाया जा रहा है हम उसके खिलाफ हैं, क्योंकि भारतीय संविधान का बुनियादी प्रावधान है, जिसमें अल्पसंख्यकों को संरक्षण का अधिकार दिया गया है। ये अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनने का कुटिल प्रयास किया जा रहा है। ये सरकार पिछले 11 साल से सिर्फ हिंदू-मुसलमान करने में ही जुटी है।'

कांरे अबके खाता में पईसा नी आया कई..?

लाड़ली बहना पूछ रही एक-दूसरे से सवाल, अप्रैल की किश्त का इंतजार

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। लाडली बहना के खातो में इस बार अप्रैल की किश्त के रुपए नहीं आए है। हाल ही में कई महिलाओं को लाडली बहना योजना की सूची से हटाया है। इसको लेकर योजना की कई हकदार बहनें तनाव में है। इसका कारण है कि अप्रैल की राशि अभी तक उन्हें नहीं मिली है। ऐसे में लाडली बहना एक दूसरे से किश्त नहीं आने के बारे में भी पूछ रही है। ठेठ मालवी में वे एक दूसरे से यही पूछ रही है कि 'कांरे अबके खाता में पईसा नी आया कई' साथ ही इधर-उधर अपने स्तर पर तलाश भी की जा रही है। लेकिन हकीकत यह है कि फिलहाल अप्रैल की किश्त नहीं आई है। यह किश्त 16 अप्रैल को दिए जाने की बात कही गई है।

विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई लाडली बहना योजना की इस महीने की किश्त अब तक लाभार्थी महिलाओं के खातों में नहीं पहुंची है। तय तिथि गुजर जाने के बाद भी राशि न आने पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने... शेष पेज 3 पर

भाजपा स्लीपर सेल कहीं कांग्रेस से राहुल को ही खदेड़ बाहर न कर दें..!

मंदसौर / उज्जैन, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस में समाए भाजपा स्लीपर सेल के बारे में पहले समाचारों से चलकर यूट्यूब और राजनीतिक समीक्षको ने इतनी बार जिक्र कर दिया है कि ऐसा लग रहा है कांग्रेस हाईकमान ही स्लीपर सेल है। कांग्रेस में यह मुद्दा लोकसभा चुनाव में हार के बाद संगठन में सतह पर आने के साथ ही सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया है। धीरे-धीरे यह स्थापित सत्य की तरह स्थान पा गया कि सच में ही कांग्रेस संगठन को भाजपा स्लीपर ही चला रहे हैं। इसीलिए मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ और महाराष्ट्र राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय पहले जीत कर सरकार बनाने के लक्षण साफ और मजबूत नजर आ रहे थे। पर नतीजे में कांग्रेस इन सभी राज्यों में हार गई थी। इसके बाद तो केंद्रीय कार्य समिति फिर सार्वजनिक मंच से बाद में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी के सम्मेलनों में भी खुद राहुल गांधी ने संगठन में स्लीपर सेल होना स्वीकारा और खदेड़ने की बात कही थी।

चन्द्रमोहन भगत

हाल ही के गुजरात अधिवेशन में भी स्लीपर सेल का संगठन में होना स्वीकारा गया और जल्द खदेड़ने की बात कही गई। पर, उसके बाद से कांग्रेस में जो कुछ घट रहा है उसे देखकर कहना अतिशयोक्ति न होगा कि कहीं कांग्रेस में समाए स्लीपर सेल खुद पर गाज गिरती देख राहुल, खड़गे जैसे नेताओं को ही बाहर का रास्ता ना दिखा दे! लक्षण तो ऐसे ही नजर आ रहे हैं। राष्ट्रीय और राज्य के संगठन के लिए जो भी अच्छा काम करते हैं उन्हें संगठन में बैठे प्रमुख महासचिव की टीम एक-एक कर कांग्रेस से खदेड़ने में गुरेज नहीं कर रहे हैं। इस कारण यह भी लगने लगा है कि कांग्रेस हाईकमान में प्रमुख पद पर बैठे स्लीपर सेल कांग्रेस के समर्पित जनमत को लुभाने वाले पदाधिकारी को एक-एक कर खदेड़ रहे हैं। जैसे आलोक शर्मा जो प्रवक्ता के अलावा राष्ट्रीय सचिव भी थे, इन्हें संगठन महामंत्री वेणुगोपाल ने तत्काल प्रभाव से सचिव व प्रवक्ता पद से कार्य मुक्त कर दिया है। टीवी चैनलों पर सुप्रिया श्रीनेत, आलोक शर्मा, पवन खेड़ा जैसे प्रवक्ता अपन ज्ञान, अनुभव और प्रस्तुति से भाजपा प्रवक्ताओं को बेहतर जवाब देते नजर आ रहे थे। इस टीम में अब आलोक शर्मा नहीं दिखेंगे।

सूत्रों पर भरोसा करें तो इन्हें हरियाणा राज्य में भूपेश बघेल के साथ जिम्मेदारी दी गई थी। इनकी जांच पडताल में कांग्रेस की हार के कारणों में स्लीपर सेल के साथ कांग्रेस मुख्यालय में प्रमुख पद संभाले हुए नेताओं की गतिविधियां भी संदिग्ध लग रही थी। आलोक शर्मा की सूचना पर कोई एक्शन राहुल, खड़गे या सोनिया ले पाते इसके पहले ही संगठन महामंत्री वेणु गोपाल ने आलोक शर्मा को सचिव व प्रवक्ता पद से तत्काल मुक्ति के आदेश देकर उनकी सूचना उजागर होने से पहले ही खुद के साथ सारे स्लीपर सेलो को बचा लिया है। इसके पहले महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को जब महाराष्ट्र विधानसभा में हारने के बाद प्रत्याशी चयन मामले में बात करने के लिए राहुल ने दिल्ली बुलाया था, तब उन्हें भी तय दिन से 48 घंटे पहले प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया था। इसके और पहले तेलंगाना में प्रदेश प्रभारी माणिक राव ठाकरे को भी सरकार बनवा देने के बाद वर्तमान संगठन महासचिव ने गोवा प्रदेश के लिए विदाई कर दी थी। कुल मिलाकर कांग्रेस संगठन के जिला अध्यक्षों के प्रदेश तथा राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सम्मेलनों में जैसे-जैसे स्लीपर सेलों के नाम सतह पर आने लगे थे। दिल्ली मुख्यालय किसी न किसी समर्पित पदाधिकारी को निपटा देता है। अब तो ऐसा लग रहा है कि कहीं सभी स्लीपर सेल मिलकर राहुल गांधी, खड़गे और सोनिया गांधी को ही कांग्रेस से किसी दिन खदेड न दें!

लापरवाही– इन दिनो नगर पालिका के कचरा वाहन में बड़ी मात्रा में खुले में कचरा ले जाया जा रहा है। जिससे सड़क पर कचरा गिर रहा है। लेकिन, इस लापरवाही पर जिम्मेदारो का ध्यान नहीं है। ऐसे में स्वच्छता में कैसे अव्वल आएंगे, यह बात किसी को समझ नहीं आ रही है।

गायत्री परिवार धर्म के साथ सेवा क्षेत्र में पूरे विश्व में पहचाना जाता है-विधायक जैन

गायत्री परिवार ने कन्या पूजन का आयोजन किया

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अखिल विश्व गायत्री परिवार के इस शक्तिपीठपर इतनी बडी संख्या में कन्याओं की आरती उतारने का मुझे जो सौभाग्य मिला है यह गायत्री परिवार के द्वारा संभव है। गायत्री परिवार पूरे विश्व में यज्ञ एवं धर्म के साथ सेवा क्षेत्र में कार्य करने के लिए पहचाना जाता है। पंडित वेद मूर्ति श्री राम शर्मा आचार्य एक सूत्रीय कार्यक्रम नहीं है उनके 100 सूत्रीय कार्यक्रम में उनके कार्यकर्ताओं ने गुरु के प्रति समर्पण उनके आदेश को सर्वोपरि माना है यह बहुत बडा अनुकरणीय कार्य है।

उक्त बात विधायक श्री विपिन जैन द्वारा गायत्री परिवार द्वारा आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में कहीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सजक प्रहरी दशपुर जागृति संगठन के संरक्षक डॉ रविंद्र पांडे ने कहा गायत्री महामंत्र जो कानों में कहा जाता था पंडित श्री राम शर्मा आचार्य जी ने हर घर में पहुंचाने का कार्य किया है आज हजारों नहीं सैकडो पंडित तैयार कर दिए हैं जो घर-घर जाकर यज्ञ कर रहे हैं जो यज्ञ पूर्ण रूप से विलुप्तप्राय हो चुका उसकी प्रत्येक घर में पहुंचने का कार्य गायत्री परिवार द्वारा किया गया है मैं धन्यवाद देता हूं गायत्री परिवार के प्रत्येक कार्यकर्ताओं को जिन्होंने अपनी गुरु के आदेश को मानते हुए प्रशिक्षण गुरु के लिए समर्पित हैं मैं भी राम शर्मा आचार्य जी के विचारों के साथ इस संगठन के साथ जुडाव रखता हूं। दशपुर जागृति संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा ने कहा परम पूज्य गुरुदेव के आज 21वीं सदी नारी सदी आज से 40 वर्ष पूर्व घोषणा करी थी कि आने वाली जो भी समय आएगा वह नारियों का आएगा यह देखने को मिल रहा है कि हर क्षेत्र में मातृशक्ति आगे है। आज कन्याओं के इस पूजन में यह गायत्री परिवार ने जगह-जगह नारी जागरण शिविर लगाकर बहुत बडी संख्या में बहनों को धर्म क्षेत्र में तैयार किया है जो की अनुकरणीय है। गायत्री परिवार के इस कार्यक्रम में मंदसौर पुलिस अधीक्षक के पिता श्री ने भी

भागीदारी करी उनको परम पूज्य गुरुदेव का साहित्य भेंट किया गया। उन्होंने आकर कहा कि यह शक्तिपीठ दिव्य एवं जागृत स्थल है। कार्यक्रम में मंदसौर मुख्य ट्रस्टी सुषमा द्विवेदी एवं संजीवनी गोड एवं चारुलता आचार्य का मंगल तिलक लगाकर गुरु के कार्य करने का शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में आज के दिन गायत्री शक्तिपीठ पर वरिष्ठकार्यकर्ता सुभाष चंद्र मंडोवरा के बेटे संदीप मंडोवरा, चंचल मंडोवरा की 25वीं वर्षगांठ गायत्री शक्तिपीठ पर मनाते हुए संदीप मंडोवरा को संकल्प दिया कि वह अपने पिता के कार्य को पूरा करेंगे उनके द्वारा अपनी इस वर्षगांठ पर 11000 रू. की राशि कन्या भोज में भेंट की। गायत्री शक्ति पीठ पर नवकुंडी यज्ञ के साथ सैकडो कार्यकर्ताओं के द्वारा हवन में युग परिवर्तन के लिए विशेष प्रार्थना करते हुए आहुति दी गई। गायत्री मत्रों की 24 आहुति, 24 आहुति महामृत्युंजय की, 24 आवर्ती गायत्री महामंत्र के बीज मंत्र की राष्ट्र के उत्थान के लिए इस प्रकार 108 आहुतियां का यज्ञ करते हुए कन्याओं की आरती उतारी गई। उसके बाद उनके पांव का पक्षालन किया गया सभी कन्याओं को कन्या भोज के माध्यम से भोज किया गया। इसमें गायत्री परिवार के वरिष्ठनरेश त्रिवेदी, दिलीप माहेश्वरी, राहुल मालवीय, योगेश सिंह, कैलाश द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। श्रीमती रेखा सिंह एवं चन्द्रकला सेठिया, जितेंद्र सिंह पवार द्वारा गांव से 10 कन्या कौशल बच्चों के द्वारा विशेष आरती गाते हुए विधायक विपिन जैन द्वारा आरती उतारी गई। कार्यक्रम में पवन गुप्ता पूरे कार्यक्रम में अपने द्वारा विशेष सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर विभाग के अंदर इस कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की। पवन गुप्ता ने कहा कि यह परम सौभाग्य हमारे इस आमंत्रण को प्रत्येक जनप्रतिनिधि एवं शासकीय सेवा में कार्य करने वाले गायत्री परिवार के कार्यों से पूर्ण रूप से परिचित थे।

संकट मोचक हनुमान जी का प्राकट्योत्सव श्रृद्धा के साथ मनाया

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सिंधी हिंदू समाज की प्रमुख धर्मपीठ श्री प्रेम प्रकाश पंथ की मंदसौर शाखा श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में संकट मोचक मोक्ष प्रदाता अंजनी के लाल श्री हनुमानजी का जन्मोत्सव महिला मण्डली के सानिध्य में एवं देश व प्रदेश के ख्याति प्राप्त यज्ञाचार्य व कथा वाचक आचार्य डॉ देवेन्द्रजी शास्त्री कि पावन उपस्थिति में श्रृद्धालु संगत ने सम्पूर्ण श्रृद्धा, उमंग व उत्साह के साथ मनाया। महिला मण्डली प्रमुख दादी पुष्पा पमनानी, माला मूलचंदानी एवं महिला मण्डली की महिलाओं व बालक गिरीश जैसवानी कि ढोलक की ताल के साथ संगीत मय सुन्दर काण्ड का पाठ हनुमान चालीसा का पाठ किया।

इस आशय जानकारी श्री प्रेम प्रकाश मंडली के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शिवानी ने देते हुए बताया की इस पावन अवसर पर आचार्य डॉ. देवेंद्र शास्त्री ने अपने मुखारविंद से भगवान श्री हनुमानजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभु हनुमानजी ज्ञान के सागर, गुणों की खान, बुद्धीमान व सर्वश्रेष्ठ ज्ञानी थे एवं प्रभु राम के परम सेवक थे, आपके ज्ञान व बुद्धि का डंका तीनों लोकों में माना गया।श्री शास्त्री जी ने कहा कि

हनुमानजी भगवान श्री शंकर के ग्यारहवें अवतार थे वे हमेशा भगवान श्री राम की सेवा में लीन रहते थे, आपने उपस्थित संगत को कहा कि जिस घर व स्थान पर प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ होता हैं वहां पर पितृ व वास्तु दोष नहीं होता इसलिए आप आज प्रतिज्ञा कीजिये कि प्रतिदिन एक रोजाना हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। आप श्री ने आज से पन्द्रह वर्ष पूर्व इस आश्रम में प्रतिष्ठित भगवान श्री लक्ष्मी नारायण, आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊँराम जी महाराज कि मूर्तियों कि प्राण प्रतिष्ठा करने पर अपने आप को प्रसन्नचित्त व सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि मैंने आचार्य सद्गुरु स्वामी टेऊँराम जी के जीवन चरित्र को बहुत ही गहराई से अध्ययन किया तो पाया कि सतगुरु स्वामी टेऊँराम जी महाराज एवं पंथ के संत मण्डल ने बहुत ही विकट परिस्थिति व कठिनाइयों के साथ श्री प्रेम प्रकाश पंथ व सनातन धर्म की रक्षा कर खडा किया आज सनातन धर्म का विशाल वटवृक्ष बन चुका है जिसे वर्तमान पंचम पीठाधीश्वर सद्गुरु स्वामी भगत प्रकाश जी महाराज व प्रेम प्रकाश पंथ के संत मंडल इस वट वृक्ष को सिंचित कर रहे हैं,आप संगत को अपने आप को सौभाग्यशाली मानना चाहिए कि आपको ऐसे सत्गुरु का आशीर्वाद व सानिध्य प्राप्त हुआ है। दादी पुष्पा पमनानी, पुरुषोत्तम शिवानी व दयाराम जैसवानी ने आचार्य देवेन्द्र शास्त्री को पखर प्रसाद देकर पुष्पमाला से स्वागत सत्कार किया। केक प्रसाद केसाथ पल्लव पाकर मंगल गीतो के भजनों पर झूमकर हर्षोल्लास के साथ हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया गया। अन्त में आभार प्रदर्शन माला मुलचंदानी एवं देवकी कोठारी ने प्रकट किया।

छोटी-छोटी बातों पर जो उछल जाए वह हनुमानजी का चेला हो ही नही सकता-रामानुजजी

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ताकत में हनुमान जी के बराबर का कोई नहीं हो सकता है, तो सेवा एवं समर्पण में भी हनुमान जी के बराबर का कोई नहीं हो सकता है। जो छोटी-छोटी बातों पर उछल जाए वह हनुमान जी का चेला हो ही नहीं सकता है हनुमान जी का चेला तो बडे से बडे काम हो जाये तब भी वह शांतप्रिय रहता हैं।

उक्त विचार भगवान श्री हनुमान जन्मोत्सव पर नाकोडा नगर स्थित श्री मंशापूर्ण बालाजी मंदिर पर देर रात विशेष महाआरती के पश्चात बडी संख्या में

उपस्थित भक्तों ओर क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री रामानुज जी महाराज राजकोट ने व्यक्त किये। आचार्य श्री रामानुज जी ने कहा कि हमारे जो इष्ट है जिनकी हम साधना करते हैं उपासना करते हैं जिनको हम मानते हैं जिनकी हम सेवा पूजा करते हैं और यदि उनके गुण अपने अंदर नहीं उतरे तो अभी आपकी साधना अधूरी है। आचार्य श्री ने कहा कि मेने आज तक हनुमान जी के चेले को बेवकूफ नही देखा। भगवान हनुमान जी का चेला तो पक्का चतुर होता हैं। हनुमान जी महाराज ज्ञानियो में भी श्रेष्ठहोते हैं इसलिए उनके ज्ञान के गुण आपकी साधना में भी उतरते हैं। आचार्य श्री रामानुज जी ने कहा कि श्री मंशा पूर्ण बालाजी मंदिर व क्षेत्र है जहां पर भगवान से यदि कोई सच्चे मन से कुछ मांगता है तो निश्चित रूप से भगवान उनकी सुनते हैं पिछले वर्ष हनुमान जयंती पर मंदसौर में श्री राम कथा किए जाने का संकल्प भक्तों ने इसी मंदिर में लिया था और भगवान ने वह संकल्प इस हनुमान जयंती से पूर्व ही पूरा कर दिया इसलिए भगवान के सम्मुख सच्चे मन से मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है। रात्रि में महाआरती पश्चात प्रसाद समाजसेवी श्री नन्दकिशोर सिद्दार्थ अग्रवाल परिवार की ओर से वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन नंदकिशोर अग्रवाल ने किया तथा आभार नरेंद्र अग्रवाल ने माना।

दशपुर विद्यालय में रही हनुमान जन्मोत्सव की धुम

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय में आज माता अंजना के पुत्र हनुमान जी के जन्मोत्सव को बडे ही भक्तिपूर्ण माहौल में मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्रा निरल खाबिया द्वारा पवन पुत्र हनुमान पर कुछ रोचक जानकारियां प्रस्तुत की। कक्षा दसवीं की छात्रा सलोनी टेटवाल द्वारा अपनी सुमधुर आवाज में हनुमान जी के चरणों को समर्पित एक भजन की प्रस्तुति दी, जिसे सुन सभी भावविभोर हो गए। इसी के साथ आज विद्यालय में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया, जिसमें कक्षा नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के सभी छात्र-छात्राओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया और समूह हनुमान चालीसा का पाठ किया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई दी गई। इस अवसर पर प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस, उपप्राचार्य श्री शैलेंद्र पुरोहित, संस्था सुपरवाइजर श्री हाकीमप्रसाद शर्मा सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित था।

कांग्रेस नेताओं ने डा. तोमर के निवास पहुंचकर उनकी माताजी के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी जी नटराजन, पूर्व मंत्री एवं जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी श्री जयवर्धनसिंह जी, सह प्रभारी श्री अमन जी बजाज का रविवार दोपहर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर के भागवत नगर निवास पर आगमन हुआ। कांग्रेस नेताओं ने डॉ तोमर की माता जी श्रीमती शान्ति देवी जी तोमर के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं परिवारजनों से चर्चा की। इस दौरान डॉ तोमर सहित बबीता सिंह तोमर, खुशी, आरुषी, अयांशी से चर्चा कर सबकी कुशलक्षेम पूछी। पूर्व मंत्री श्री जयवर्धन सिंह ने डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर को गले लगाकर भावुक मन से अपनी ओर से शोक संवेदनाएं प्रकट की।

इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं लोकसभा प्रत्याशी श्री दिलीपसिंह जी गुर्जर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जी जैन, विधानसभा प्रत्याशी श्री परशुराम जी सिसोदिया, प्रदेश कांग्रेस सचिव श्री सोमिल जी नाहटा, श्री राजेश जी रघुवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्री भोपालसिंह जी सोलंकी, मंजीतसिंह मनी, नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष श्रीमती रफत जी पायामी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज सिंह सिसोदिया जी, डॉ किशोरसिंह जी सिसोदिया, किसान नेता बद्रीलाल धाकड, युवा नेता सुनील बसेर, युवा नेता अभिषेक जैन, नवीन शर्मा सुरेश खचनारिया, सुभाष जैन, डॉ अजित जैन, अंबालाल हिंगोरिया, आरिफ अंसारी, राजेन्द्र सेठिया, अनूप जोशी, पंडित विश्वास दुबे, सम्यक जैन, जगदीश कोठारी, राजेश फरक्या सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

आम जन की लड़ाई लड़ने के लिए हमें तैयार रहना चाहिए-जयवर्धन सिंह

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रविवार के दिन नगर में पूर्व मंत्री जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी श्री जयवर्धन सिंह की आमद हुई वे यहां पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर शाम को जिला कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक ली। इस बैठक में विशेष रूप से पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन, मंदसौर लोकसभा से प्रत्याशी रहे श्री दिलीप सिंह गुर्जर, जिला संगठन सह प्रभारी अमन बजाज जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक विपिन जैन आदि इस बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा कांग्रेस संगठन को लेकर था जिसमें शहर से लेकर गांव तक संगठन में नई ऊर्जा भर कर कांग्रेस संगठन व अनुषंगी संगठनों में नई नियुक्तियों को लेकर पार्टी के सक्रिय

कार्यकर्ताओं की नियुक्ति संबंधी प्रदेश कांग्रेस को अवगत कराना है। सभी ने इस अवसर पर एक मत होकर कहा कि संगठन में नई नियुक्तियां जल्द हो। इस बैठक में पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल, श्रीमती पुष्पा भारती, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, मनजीत सिंह टुटेजा, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारीयों में सर्वश्री महेंद्र सिंह गुर्जर, परशुराम सिसोदिया, सोमिल नाहटा, राजेश सिंह रघुवंशी, मुकेश पोरवाल निडर, सुवासरा से विधानसभा प्रत्याशी रहे राकेश पाटीदार, जिला पंचायत सदस्य गण में सर्वश्री भोपाल सिंह सोलंकी, दीपक सिंह गुर्जर, जगदीश धनगर, रिंकेश डबकरा, श्रीमती दीपिका कर्मवीर सिंह भाटी, रामेश्वर रावत मोर्चा संगठन जिला अध्यक्षगण में सर्वश्री दिलीप देवडा श्रीमती रूपल संचेती, भानपुरा नगर पंचायत अध्यक्ष शिव भानपिया, भानपुरा जनपद पंचायत अध्यक्ष विजय पाटीदार आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। इस समन्वय बैठक में श्री जयवर्धन सिंह के समक्ष सभी ने पार्टी संगठन को ले कर अपने-अपने सुझाव रखें। श्री सिंह ने सभी के सुझाव सुने और आगामी दिनों में संगठन द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया कि आम जन की लडाई लडने के लिए सडक से लेकर सदन तक हम लड रहे हैं और आगामी दिनों में हमें तैयार रहना चाहिए। जिला संगठन प्रभारी श्री सिंह समन्वय समिति की बैठक से पहले सुबह मंदसौर विधानसभा के सोनगिरी गांव में मेव समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित हुए व मंदसौर नगर में श्री कृष्ण ग्वाला गवली समाज के गंगा पूजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो कर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर के घर उनकी माता जी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने गए। उसके बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु कश्यप के यहां भी शोक संवेदना व्यक्त कर नगर पालिका में पार्षद प्रीतम पंचोली के घर भी शोक संवेदना व्यक्त करने गए। वही जिला समन्वय समिति की बैठक शुरू होने से पहले जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक श्री विपिन जैन ने सभी अतिथियों का फूलमाला पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील बसेर ने किया, व आभार नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष श्रीमती रफत पयामी ने माना।

शिक्षक में एक अच्छा इंसान होना चाहिए-डा.सेठिया

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमैट) भोपाल के तत्वावधान में स्टार्स प्रोजेक्ट अंतर्गत जिले के 238 शालाओं के प्रधानाध्यापकों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण प्रभारी श्री आर.डी. जोशी ने बताया कि इन पांच दिवस में कुल 14 मॉड्यूल का प्रशिक्षण डीआरजी के द्वारा दिया गया। उक्त प्रशिक्षण संस्थान के पाँच कक्षो में आयोजित किया गया, प्रत्येक कक्ष में एलईडी प्रोजेक्टर की व्यवस्था की गई। प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ प्रमोद कुमार सेठिया द्वारा प्रशिक्षण उपरांत शाला में नेतृत्व का विकास कैसे हो उसे पर प्रकाश डाला एवं प्रशिक्षण के दौरान होने वाली गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों से अपेक्षा की गई कि जिस तरह का प्रशिक्षण डाइट में दिया है इसकी प्रति छाया आपकी शाला में भी दिखाई दे ऐसा प्रयास करें। आपने कहा कि शिक्षक में एक अच्छा इंसान होना चाहिए। प्रशिक्षण में लीडरशिप से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे समालोचनात्मक चिंतन, टीम निर्माण नेतृत्व समावेशी कक्षा का निर्माण परिवेशक संवाद के तत्व के आदि विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक प्राप्त किया गया। प्रशिक्षण के समापन पर समस्त प्रशिक्षणार्थियों का पोस्ट टेस्ट लिया गया। आभार संस्था के व्याख्याता श्री रामेश्वर डांगी द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर तकनीकी सहयोग प्रदान करने हेतु श्री आकाश नागर एवं श्री आयुष बर्धवा, डीआरजी उपस्थित रहें।

संत श्री पीपानन्दजी का जन्मोत्सव मनाया

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पीपा क्षत्रिय समाज ट्रस्ट द्वारा संत शिरोमणि पीपाजी महाराज का 702वां जन्मोत्सव को पशुपतिनाथ महादेव मंदिर स्थित द्वारकाधीश मंदिर में मनाया। समाज के आमजन उपस्थित रहे। मंदिर में प्रात: अभिषेक, द्वारकाधीश मंदिर, तापेश्वर महादेव व पशुपतिनाथ मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया।

पीपा महाराज के मंदिर से शोभायात्रा बैंड बाजों के साथ प्रारंभ हुई जो पशुपतिनाथ पुलिया सदर बाजार विभिन्न मार्गों से निकली पीपा महाराज के जयकारा लगाते हुए सभी समाज बंधु सफेद वस्त्र पहने हुए साफा बांधे और पीछे महिलाएं अपने परिधान लाल चुनर में गीत गाती हुई पीपा महाराज के जयकारे लगाते हुए नाचते गाते शोभायात्रा निकाली गई। बाजार के चौराहे पर समाज बंधु युवा संगठन ने आइसक्रीम ठंडा शीतल जल एवं शरबत का स्टॉल समाज बंधुओं ने लगाये। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मदनलाल गहलोत उज्जैन, सुशील कुमार भाटी इंदौर, किशनलाल आर्य दलौदा, वल्लभदास बरोड माचलपुर, श्रीमती निर्मला प्रकाश गहलोत उज्जैन, श्रीमती वंदना सुशील कुमार भाटी इंदौर, श्रीमती चंद्रकांता अशोक भाटी मंदसौर द्वारा पीपाजी महाराज की छवि पर पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों का ट्रस्टीयों एवं अध्यक्ष द्वारा साफा बांधकर शाल व श्रीफल द्वारा सम्मान किया गया। स्व. प्रेम कैलाश सोलंकी की स्मृति में उनके पुत्र एवं अतिथि व ट्रस्ट द्वारा छात्र-छात्राओं का सम्मान कर शिल्ड एवं प्रमाण पत्र सम्मान राशि भेंट की गई। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ललित कुमार भाटी द्वारा दी गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पदों पर फार्मासिस्ट की भी नियुक्ति हो

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मिथुन वप्ता ने बयान जारी कर बताया कि हाल ही में सरकार द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी के रिक्त पदों पर भर्ती निकाली गई जिसमें फार्मासिस्ट डिग्री वालो को भर्ती प्रक्रिया से दूर रखा गया जबकि अन्य श्रेणियों को प्राथमिकता दी गई है जो कि फार्मासिस्ट साथियों के साथ न्यायोचित नहीं है।फार्मासिस्ट साथियों को रिक्त पदों पर भर्ती का अवसर मिले इसके लिए मध्यप्रदेश फार्मासिस्ट एसो. संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित सिंह ठाकुर जी ने केंद्र सरकार के स्वास्थ मंत्री श्री जे पी नड्डा जी को पत्र के माध्यम से मांग की है और पत्र में लिखा है जिसमें हवाला देते हुए कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पदों पर फार्मासिस्ट को भी सम्मिलित किया जाए। हाल ही में इससे संबंधित एक ऑर्डिनेंस जारी किया गया था जिसमें फार्मासिस्ट संवर्ग को छोड कर अन्य सभी संवर्गो को पात्रता की श्रेणी में रखा गया है।लोक स्वास्थ एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा लोक सेवा आयोग के माध्यम से खाद्य सुरक्षा अधिकारी विज्ञापन क्रमांक 57/2024,31/12/2024 के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु परीक्षा का आयोजन किया जाना है जिसमें फार्मासिस्ट को वंचित रख दिया गया। जबकि पूरे देश में फार्मेसी कॉलेज फार्मेसी काउंसिल दिल्ली द्वारा बहुतायत संख्या में संचालित किए जाते हैं जिसमें दो वर्षीय डिप्लोमा और चार वर्ष का डिग्री कोर्स संचालित किया जाता है। जिनमें खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत आने वाले सभी मुख्य विषयों जैसे कि जैव रसायन विज्ञान (Biochemistry), सूक्ष्मजीव विज्ञान (Microbiology), औषधीय रसायन (Medicinal Chemistry), जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology), औषधीय विश्लेषण (Pharmaceutical Analysis), कार्बनिक रसायन (Orgenic Chemistry), अकार्बनिक रसायन (Inorganic Chemistry), भेषजगुण विज्ञान (Pharmacology) का न केवल सैद्धांतिक अध्ययन करते हैं बल्कि इनका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। जिससे उन्हें खाद्य की गुणवत्ता, संरचना, विषाक्तता, विश्लेषण व स्वास्थ पर प्रभाव जैसे विषयों की गहन समझ होती है। प्रतिवर्ष देश में संचालित फार्मेसी संस्थानों से लाखों फार्मासिस्ट पास हो कर निकल रहे हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी जैसे पदों से फार्मासिस्ट को वंचित रखना फार्मेसी प्रोफेशन का सीधे तौर पर अपमान होना प्रतीत होता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी को पत्र के माध्यम से अनुरोध करते हुए कहा कि तत्काल इस गंभीर विषय को संज्ञान में लेते हुए देश के फार्मासिस्ट समुदाय को भी खाद्य सुरक्षा अधिकारी की पात्रता परीक्षाओं में सम्मिलित करने हेतु उचित कार्यवाही करें। क्योंकि देश के लाखों फार्मासिस्ट साथियों में सरकार के इस निर्णय से भारी मात्रा में रोष व्याप्त हो रहा है। उपरोक्त जानकारी संगठन के नरेंद्र त्रिवेदी ने दी।

श्रद्धांजलि..

अपने हितों को त्यागकर राष्ट्र की सेवा करने वाले विरले थे सोलापुरकरजी

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रा.स्व.संघ. के प्रचारक स्वर्गीय प्रकाशजी सोलापुरकर एक अनुठे व्यक्तित्व के धनी थे। अपने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन के हितों का परित्याग कर राष्ट्र की सेवा के लिए जीवन समर्पित करने वाले लोग विरले ही होते हैं। इसी श्रृंखला में हजारों संघ प्रचारक रहे हैं और अभी भी हैं, इसी तरह के एक संघ प्रचारक थे श्री प्रकाश जी सोलापुरकर।

गुजरात राज्य में अनेक संघ शिक्षा वर्गों में वर्तमान में भारत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ भी रहे, श्री प्रकाश जी सोलापुरकर, अभी इंदौर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय सुदर्शन भवन में निवास कर रहे थे किंतु दिनांक 13 अप्रैल 2025 को उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय कार्यालय इंदौर में प्रात:काल 7:00 बजे अंतिम सांस ली। आप 60 के दशक में अपनी शिक्षा बीएससी तक प्राप्त करके परिवार छोडकर, पूर्ण- कालिक संघ प्रचारक के रूप में संघ कार्य के लिए समर्पित हो गए। इस प्रकार अनेक दायित्वों का निर्वहन करते हुए आप खंडवा जिले के प्रचारक फिर विभाग प्रचारक, मध्यभारत के सहप्रांत प्रचारक, प्रांतीय शारीरिक प्रमुख, प्रांतीय घोष प्रमुख एवं क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख का दायित्व निभाया तथा अनेक संघ शिक्षा वर्गों में आप मुख्य शिक्षक रहे तथा अनगिनत स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का निर्माण इनके द्वारा किया गया। अभी स्वास्थ्य कारणों से प्रचारक रहते हुए विश्राम कर रहे थे।

यद्यपि वे आपातकाल में मीसा कानून में 19 महीने जेल में बंद रहे इस कारण उन्हें 30,000 रू.प्रति माह सम्मान निधि प्राप्त हो रही थी, इस परिस्थिति में अनेक निकटतम रिश्तेदार उन्हें अपने पास रखने को तैयार थे ? किंतु श्रीमान प्रकाश जी का सोच यह था कि 'मैंने एक बार संघ के माध्यम से देश को अपना जीवन समर्पित कर दिया, अब मैं जीवन भर समर्पित हूं तथा संघ कार्यालय ही अब मेरा निवास रहेगा। श्री प्रकाश जी सोलापुर कर एक जिंदा- दिल तथा जोखिम उठाने वाले प्रचारक रहे, उनकी डिक्शनरी में 'नहीं' एवं 'असंभव' शब्द कभी नहीं रहा। हृदय की बाईपास सर्जरी हो चुकी थी किंतु 'शुगर' की वजह से उनके पैर में गैंग्रीन हो गया, जिसके कारण उनका एक पैर काटना पडा किंतु प्रत्यक्ष दर्शियों का कहना है कि, ऑपरेशन के समय जब प्रकाश जी से डॉक्टर से कहा कि- आपका एक अंगूठा काटना पडेगा तो उन्होंने बिना संकोच के कहा- काट दो। अंगूठा काटने के बाद

भी इंफेक्शन बरकरार रहा तो डॉक्टरों ने कहा कि- आपका पैर भी काटना पडेगा.. तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि- काट दो भाई। पैर कटने के बाद भी कहीं से कहीं तक वे निराशा के शिकार नहीं हुए थे, यह होता है संघ का संस्कार कि 'विकट परिस्थितियों को भी व्यक्ति मुस्कुरा कर झेल जाता है।' श्रीमद् भागवत गीता में कहा है कि- प्रजहाति यदा कामान्ससर्वान्पार्थ मनोगतान। आत्मन्येवात्मना तुष्ट: स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।।

अर्थात - जिस काल में पुरुष, मन में स्थित समस्त कामनाओं को भली भांति त्याग देता है और आत्मा से आत्मा में ही संतुष्ट रहता है उस काल में वह पुरुष 'स्थित प्रज्ञ' कहा जाता है। श्री प्रकाश जी एक स्थित प्रज्ञा व्यक्ति थे। अभी कुछ ही दिनों पूर्व सुदर्शन भवन संघ कार्यालय इंदौर में मैंने तथा मेरी पत्नी श्रीमती बिन्दु चन्द्रे ने प्रकाश जी से भेंट की तो वह प्रसन्नचित्त दिखाई दिए तथा उनके चेहरे पर इस बात के कोई इंप्रेशन नहीं थे कि वह अपनी बीमारी से डिप्रेशन में है। स्मरण शक्ति ऐसी गजब की कि 45-50 साल पहले भी जो लोग उनके संपर्क में आए उनका स्मरण उन्होंने किया भले ही वह संघ कार्य में अभी निरंतर सक्रिय नहीं थे। श्री प्रकाश जी सोलापुरकर ऐसे अकेले संघ प्रचारक नहीं है, भारतवर्ष में ऐसे बहुत होंगे जो विकट परिस्थिति में भी प्रसन्नचित होकर इस राष्ट्र, समाज की चिंता करते हैं तथा किसी प्रकार की निराशा उनके आसपास दिखाई नहीं देती है, किंतु प्रकाश जी का अपना एक अलग व्यक्तित्व है। श्री प्रकाश जी बौद्धिक दृष्टि से ही संपन्न नहीं थे जबकि वे सभी प्रकार के हथियार संचालन के एक्सपर्ट थे एवं संघ- घोष के सभी वाद्य यंत्र बजाना जानते थे। विभिन्न संघ शिक्षा वर्ग में वे मुख्य शिक्षक रहे उस समय 'चर्म- बेंत्र' नामक युद्ध होता था अर्थात सभी के हाथ में चमडे की ढाल होती थी तथा सुपारी की बेंत अपने हाथ में लेकर के अनेक स्वयंसेवक युद्ध का अभ्यास करते थे। किंतु प्रकाश जी सोलापुरकर अकेले ऐसे व्यक्ति थे जो 8 से 10 स्वयंसेवकों से मुकाबला करते थे और उनके शरीर पर एक बेंत का वार भी नहीं हो पता था, ऐसी कुशलता एवं फूर्ति उनके शरीर में थी। जब वह खंडवा जिले के प्रचारक थे तब उनके द्वारा निर्मित अनेक स्वयंसेवक संपूर्ण प्रांत और देश में बडी-बडी राजनीतिक हस्तियों के रूप में जाने जाते हैं इसके अतिरिक्त उनसे प्राप्त किए गए संस्कारों को आज भी मुंबई, बेंगलुरु, मद्रास, पुणे, नोएडा, दिल्ली या विदेश में रहने वाले स्वयंसेवक भी प्रकाश जी का नाम लेकर याद करते हैं। दिनांक 13 अप्रैल 2025 को प्रात: काल उन्होंने इंदौर के संघ कार्यालय में अंतिम सांस ली तथा इसी दिन दोपहर 11:00 बजे उन्हें मुखाग्नि दी गई। हम ऐसे महान देशभक्त कार्यकर्ता को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि समर्पित करते हैं।

रमेशचन्द्र चन्द्रे, मंदसौर

सृष्टि की संपूर्ण व्यवस्थाओं को निर्धारित करता है महासोमयज्ञ-गोकुलोत्सव जी महाराज

श्री विराट वाजपेय महासोमयज्ञ का सोम कलश यात्रा के साथ शुभारंभ

सोमयज्ञ का होना सौभाग्य के क्षण हैं-सांसद गुप्ता

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सोमयज्ञ सभी यज्ञों में इसलिए श्रेष्ठमाना जाता है कि सोमयज्ञ शाला में चारों धाम के तीर्थ भगवन 33 कोटी देवी देवता और समस्त ऋषि गणों का पदार्पण होता है और वह पूरी अवधि यज्ञशाला में ही विद्यमान होते हैं।अत: सोमयज्ञ में सम्मिलित होकर आहुति देने से यज्ञ के दर्शन करने और यज्ञशाला की परिक्रमा करने का अत्यधिक महत्व है। यह विचार वैष्णवाचार्य गोस्वामी पद्मभूषण डॉ. गोकुलोत्सव जी महाराज ने व्यक्त किए। आप श्री वल्लभाचार्य नगर कालाखेत में महासोम यज्ञ के शुभारंभ के पूर्व श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

आपने कहा कि 35 वर्षों से मंदसौर में सोमयज्ञ करने का मन में संकल्प था जो अब साकार हो रहा है। हम सब के सौभाग्य से ही सोम यज्ञ होने का योग बनता है। आपने बताया कि सृष्टि में 28 बार प्रलय हुआ और इतनी ही बार फिर से सृष्टिका निर्माण हुआ तो जब-जब भी ऐसा होता है सर्वप्रथम सोम यज्ञ कर संपूर्ण सृष्टिकी व्यवस्थाओं का निर्धारण किया जाता है। महाराज जी से ने कहा कि सोमयज्ञ का श्रद्धालु तीन तरह से लाभ ले सकते हैं यज्ञ में बैठना आहुति देना सर्वोत्तम है यज्ञ दर्शन करने से भी जीवन के सभी ताप दूर होते हैं और यज्ञ शाला परिक्रमा का शास्त्रों में इतना महत्व बताया गया है कि हमारे जीवन में कल्याणकारी परिवर्तन होते हैं। महाराज जोशी ने कहा कि सोम यज्ञ करने से कालसर्प दोष,पितृदोष, विवाह में बाधा प्रेतबाधा ये इन सभी का निवारण होता है वास्तु दोष भी इससे दूर होता है व्यापार में उन्नति होती है व्यक्ति सदैव निरोगी रहता है और यदि कोई रोग है तो वह भी समाप्त हो जाता है इसलिए सौम्या कि मैं बैठना हर दृष्टि से मनुष्य जीवन के लिए लाभप्रद होता है आपने बताया कि 112 तरह के सोमयज्ञ होते हैं। ऋतु चक्र को निर्धारित करना धरती को गर्भ धारण कराना प्रचुर वर्षा यह भी सोमयज्ञ के कारण संभव है। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि हमारी सनातन परंपराओं में यज्ञों का बडा ही महत्व बताया गया है और सोम यज्ञ का होना तो बहुत ही सौभाग्यशाली है। मंदसौर नगर वासियों का यहां सौभाग्य है कि इस धरा पर स्वामी यज्ञ हो रहा है और 17 वर्ष पूर्व पशुपतिनाथ मंदिर परिक्षेत्र में भी सोम यज्ञ का आयोजन हुआ था तब अच्छी फसल और अच्छी वर्षा की कामना की गई थी उसे वर्ष नगर में 56 इंच वर्षा हुई। यज्ञों के वैज्ञानिक परिणाम आते हैं यज्ञ संस्कृति से नई पीढी को भी अवगत होना चाहिए। श्री गुप्ता ने श्री गोकुलोत्सव जी ओर श्री व्रजोत्सव जी महाराज के सानिध्य को परम सौभाग्य बताया।

प्रथम दिन की पालियों मे 240 जोडों ने यज्ञ में आहुतियां दी। इसके पूर्व श्री गोवर्धननाथ मंदिर से प्रात: काल की वेला में भव्य सोमकलश यात्रा चल समारोह के रूप में निकली। कलश यात्रा वैष्णवाचार्य गोस्वामी पद्मभूषण डॉ.गोकुलोत्सव जी महाराज और सोम यज्ञ सम्राट गोस्वामी वैष्णवाचार्य आचार्य डॉ. व्रजोत्सव जी महाराज के सानिध्य में निकली। बडी संख्या में महिलाएं अपने मस्तक पर मिट्टी के कलश धारण कर चल रहीं थीं। श्री गोवर्धन नाथ मंदिर जीवागंज से आरंभ हुई यह कलश यात्रा जीवागंज गली नंबर 2 और नयापुरा रोड से होकर यज्ञ स्थल पहुंची। आगे आगे घुडसवार चल रहे थे महिलाओं ने चूंदडी ओर पुरुष वर्ग श्वेत परिधान में सम्मिलित हुए। शोभायात्रा में आचार्य श्री रामानुज और अनीता दीदी भी शामिल हुई और महाराज श्री का सम्मान किया। ढोल और बैंड बाजों के साथ निकली कलश यात्रा का स्थान स्थान पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। सोम यज्ञ के प्रथम दिवस चल समारोह यज्ञ ओर धर्मसभा में बडी संख्या में धर्मनिष्ठ महानुभाव युवा बच्चे महिलाएं बडी संख्या में उपस्थित थे। संचालन ब्रजेश जोशी और गौरव अग्रवाल ने किया आभार आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने माना। यह जानकारी मीडिया प्रभारी हेमन्त शर्मा ने दी।

नगर के शासकीय आवास सरकारी माफियाओं की गिरफ्त में

सुवासरा, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर के शासकीय आवास 52 क्वार्टर अब सरकारी माफियाओ के गिरफ्त में है। वर्ष 1915 में बना यह सरकारी आवास अंग्रेजी शासन के दौरान ग्वालियर स्टेट के राजा जीवाजीराव सिंधिया ने शासन के कर्मचारियों के निवास करने के लिए बनवाये थे। देश आजाद होने के बाद में इसका उपयोग शासन ने अपने विभिन्न विभागों के कर्मचारी को निवास न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध कराया था। कुछ वर्षों बाद यह शासकीय क्वार्टर लोक निर्माण विभाग की देख रेख में आ गया। इसके बाद से इसका रखरखाव लोक निर्माण विभाग ही करता आ रहा है। लेकिन इन क्वाटर में रहने के लिए मंजूरी अनुविभागीय अधिकारी के कार्यालय से लेना पडती है। 110 वर्ष पहले बने इन आवासों का न्यूनतम किराया एक आने से बढकर आज 900 रुपये प्रति माह के हिसाब से है। कम किराया होने से यहां पर कई विभागों के शासकीय कर्मचारी निवासरत हैं। लेकिन कुछ सालों से राजनीति रसूख के कारण ऐसे कर्मचारी यहां पर बस गए हैं। जिनके खुद के अपने निजी मकान नगर और क्षेत्र में है इन कर्मचारियों ने अपने निजी मकानों को किराए से दे रखा है तो कुछ ने अपने निजी मकानों पर ताले जड रखे है। और यहां शासकीय आवास में कम किराया होने से इन आवासों को खाली नहीं कर रहे हैं। इस वजह से जरूरतमंद शासकीय कर्मचारियों को अन्यत्र अधिक किराया देकर निवास करना पड रहा है। हनुमान मंदिर के सामने स्थित 52 क्वार्टर के नाम से प्रसिद्ध इस शासकीय बिल्डिंग में कुल 48 आवासीय फ्लैट बने हुए हैं चार फ्लैट पुलिस थाना के पुराने भवन में मौजूद है।

17 फरवरी को सीतामऊ अनुविभागीय अधिकारी शिवानी गर्ग ने सुवासरा तहसीलदार को एक आदेश जारी किया था। जिसमें उन्होंने तीन दिवस की समयसीमा में इन शासकीय भवन में निवास कर रहे शासकीय कर्मचारीयो की जानकारी मांगी थी। लेकिन दो माह बीतने को है अभी तक तहसील कार्यालय से चाही गई जानकारी एसडीएम कार्यालय तक नहीं पहुंची है। वही एसडीएम शिवानी गर्ग इस देरी के लिए अन्य शासकीय कार्य की व्यस्तता होने की बात कह रही है। लेकिन मिली जानकारी के अनुसार एसडीएम ने पटवारी तहसीलदार सहित जिन पांच लोगों की टीम बनाई थी उन्होंने इस जांच में अभी तक कोई रुचि नहीं दिखाई है। तहसीलदार 52 दिन में 52 क्वार्टर के नाम से मशहूर शासकीय आवास की वास्तविक जांच और जानकारी नहीं जुटा पाए। वही एसडीएम भी तहसीलदार पीस लेट लतीफ को नजरअंदाज करती नजर आ रही है।

इनका कहना- मैंने ही तहसीलदार को 52 क्वार्टर स्थित शासकीय आवास की जांच करने के आदेश दिए थे। लेकिन अन्य कार्य की व्यस्तता के चलते में भूल गई थी। अब फिर से इसकी जानकारी ली जाएगी।

शिवानी गर्ग
एस डी एम सीतामऊ

बच्चों का मान सम्मान करने से ईश्वर भी खुश होता है-डालवानी

10 वी और 12वी में 80 प्रतिशत से अधिक नंबर लाने पर 20 मई को सम्मान होगा, अपनी मातृभाषा, संस्कृति और संस्कार के साथ सामान्य ज्ञान प्रदान करने हेतु इस वर्ष भी सिंधु ज्ञान प्रतियोगिता 20 मई को आयोजित होगी

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आज इस भाग दौड और कॉम्पिटिशन के युग में हर बच्चा चाहता है कि उसे उसकी मेहनत लगन सफलता को मान सम्मान मिले इसलिए प्रत्येक संगठन को अपने समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान करना चाहिए विशेषकर नन्हे मुन्ने बच्चों का मान सम्मान करने से ईश्वर भी खुश होता है। उक्त विचार अतिथि साजन सजनी के जय डालवानी ने संत कवरराम गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या द्वारा सिंधी समाज के बच्चों के प्रतिभावान बच्चों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहे। स्वागत उद्बोधन देते हुए अनिल संगवानी ने कहा कि अपनी मातृभाषा संस्कृति और बच्चों में संस्कार देने की जिम्मेदारी हम सबकी है इसलिए संत कंवरराम गृह निर्माण सहकारी मर्या. समिति हर वर्ष समाज के बच्चों को अपनी मातृभाषा संस्कृति और संस्कार के साथ सामान्य ज्ञान प्रदान करने हेतु इस वर्ष भी 20 मई से सिंधु ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित करेगी। साथ ही 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों का सम्मान अगले महीने 20 मई को संस्था करेंगी। संगवानी ने आगे कहा कि अब हमारा प्रयास रहेगा की हर वर्ष प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन होगा और अधिक नगद पुरस्कार वितरित करेंगे इस वर्ष समय बहुत कम था फिर भी समाज जनों ने अपने प्रतिभाशाली बच्चों का उत्साहवर्धन हेतु पूर्ण सहयोग दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्याणि श्रीमती गंगादेवी होतवानी ने कहा कि आज सिंधी समाज हर क्षेत्र में आगे उसके लिए समाज के बच्चों में कॉम्पिटिशन की भावना और अपनी मात्र भाषा संस्कृति के साथ सामान्य ज्ञान प्राप्त करने हेतु ऐसे आयोजन होना अत्यंत ही आवश्यक है।

इस अवसर पर बैकुंठ धाम शवयात्रा उठावना सेवा समिति के अध्यक्ष गोपाल पारवानी ने कहा कि समाज में दानदाताओं की कमी नहीं है समाज की उभरती प्रतिभाओं का सम्मान उत्साहवर्धन करना हम सबकी जिम्मेदारी है इस कार्य में संत कंवरराम गृह निर्माण सहकारी समिति हर वर्ष सिंधु ज्ञान प्रतियोगिता करती आ रही है लेकिन अब इस वर्ष से एक ओर सराहनीय कार्य समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान कर उन्हें ओर अधिक मजबूती जागरूक बनने में प्रेरणा देगा। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ रोशन गोलानी ने कहा कि जब बच्चे कक्षा 5वी से लेकर 12 वी कक्षा तक बच्चों को शिक्षा के साथ मातृभाषा संस्कृति के साथ जनरल नॉलेज देना और समाज की उभरती प्रतिभाओं का सम्मान करना सराहनीय कार्य है संत कंवरराम गृह निर्माण सहकारी समिति धन्यवाद कि पात्र है। अगले महीने 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वालों का भी सम्मान करेंगे जो भी सहयोग होगा सब मिलकर करेंगें। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठब्राह्मण देवता पं मनोज शर्मा व पवन शर्मा ने उपस्थित सभी बच्चो व उनके पेरेंट्स को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी और सभी के उज्वल भविष्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर ईश्वर भावनानी ने कहा कि अगले महीने सिंधु ज्ञान प्रतियोगिता में बच्चों को आकर्षक मनमोहक गिफ्ट प्रदान करने का प्रयास करेंगें। इस अवसर पर वरिष्ठसमाजसेवी मदनलाल हासानी ने कहा की आज यहां आकर मुझे बहुत अच्छा लगा कि सिंधी समाज में भी विशेष कर बालिकाओं ने लगभग 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाकर रिकार्ड बनाया है संत कंवरराम संस्था धन्यवाद की पात्र है कि हर वर्ष समाज के बच्चों का उत्साहवर्धन करने हेतु पहले सिंधु ज्ञान प्रतियोगिता और अब समाज की प्रतिभा का सम्मान करना सराहनीय है। कार्यक्रम का संचालन ईश्वर भावनानी ने किया अंत में आभार मुकेश होतवानी ने माना। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्रीमती सोनिया राकेश बाबानी ,सुश्री बुलबुल कोटवानी श्रीमती सुनीता लालवानी का विशेष योगदान रहा।

बाबा साहब की जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर भाजपा ने किया दीप प्रज्वलन

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित के नेतृत्व में भाजपा ने जिला मुख्यालय मंदसौर स्थित बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर 14 अप्रैल जन्म जयंती की पूर्व संध्या 13 अप्रैल की शाम को बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया। 14 अप्रैल को जिला भाजपा कार्यालय से सभी वरिष्ठ जनप्रतिनिधि गण, संगठन पदाधिकारी , मंडल एवं मोर्चा पदाधिकारी रैली के रूप 9:30 बजे निकल कर अंबेडकर चौराहा पहुंचेंगे। जहां संविधान निर्माता बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बंशीलाल जी गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉक्टर सुषमा आर्य , भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल जी गुर्जर, उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत दक्षिण मंडल अध्यक्ष विनोद डगवार, सहित जिला पदाधिकारी गण, मंडल पदाधिकारी गण ,मोर्चा पदाधिकारी गण, पार्षद गण उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला भाजपा मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

पोरवाल महिला मंडल के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न

पिपलियामंडी, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर की पोरवाल महिला मंडल के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए जिसमे अध्यक्ष पद पर श्रीमती किरण मुकेश फरक्या सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किया गया साथ ही मंडल की नवीन कार्यकारिणी का भी गठन मनोनीत अध्यक्ष श्रीमती फरक्या द्वारा किया गया। किया गया, जिसमें विभिन्न पदों पर पदाधिकारी बनाये गये

संरक्षक श्रीमती प्रवीणा गुप्ता,श्रीमती चंदा गुप्ता उपाध्यक्ष – श्रीमती रीना गुप्ता, श्रीमती शशि मोदी ,सचिव श्रीमती ममता धनोतिया, श्रीमती ज्योति गुप्ता ,सह सचिव श्रीमती ललिता काला, श्रीमती अनीता धनोतिया, श्रीमती पूजा फरक्या, श्रीमती कृष्णा भूत, श्रीमती दीपिका डबकरा ,कोषाध्यक्ष श्रीमती मनीषा धनोतिया,सह कोषाध्यक्ष श्रीमती सविता रत्नावत, प्रबंधक श्रीमती सोनल बटवाल, श्रीमती शांति धनोतिया, श्रीमती सरला घाटिया,संयोजकश्रीमती शांति भूत, श्रीमती कृष्णा मुजावदिया ,सह संयोजक श्रीमती संगीता काला, श्रीमती सोनल गुप्ता ,मार्गदर्शकश्रीमती शारदा फरक्या, श्रीमती विद्या चौधरी, श्रीमती किरण मंडवारिया, श्रीमती पार्वती डबकरा, श्रीमती सुधा रत्नावत, श्रीमती ज्योति भूत कार्यकारिणी सदस्य भी नियुक्त किए गए।

महाकाल को शीतलता के लिए बांधे मिट्टी के 11 कलश, सतत जलधारा बहेगी

उज्जैन, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रविवार से श्री महाकालेश्वर मंदिर में ज्योर्तिलिंग पर गर्मी के दौरान की जाने वाली खास परंपरा की शुरूआत की गई। सनातन धर्म व परंपरानुसार प्रात: भस्मार्ती के पश्चात श्री महाकालेश्वर भगवान को शीतल जलधारा से अभिषेक हेतु 11 मिट्टी के कलशों से गलन्तिका लगाई गई। इन कलशों से सतत जलधारा भगवान पर बहेगी। परंपरानुसार 13 अप्रैल (वैशाख कृष्ण प्रतिपदा) से 11 जून 2025 (ज्येष्ठशुक्ल पूर्णिमा) तक ऐसा किया जाता है। श्री महाकालेश्वर भगवान जी पर 11 मिट्टी के कलशों से सतत जलधारा हेतु गलंतिका बांधी गई।

इन कलशों पर देश की प्रमुख नदियों के नाम अंकित किए गए हैं। इनमें गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, शरयु, शिप्रा और गण्डकी शामिल हैं। मंदिर की प्राचीन परंपरा के अनुसार यह आयोजन हर साल वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा तक चलता है। मंदिर के महेश पुजारी के अनुसार, भगवान के मस्तक पर रखी 11 मटकियों से रक्षा सूत्र के माध्यम से एक-एक बूंद गिरती है। यह जलधारा बाबा महाकाल को गर्मी और हलाहल की उष्णता से राहत देती है। चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि से वैशाख स्नान का आरंभ हो जाता है। वैशाख मास के अंतर्गत भगवान विष्णु व भगवान शिव की संयुक्त पूजन करने की परंपरा है। भगवान विष्णु, भगवान शिव का चंदन और सुगंधित द्रव्य व पुष्पों के माध्यम से उपासना का अनुक्रम करना चाहिए। जिन जातकों की जन्म कुंडली में बृहस्पति एवं राहु की स्थिति कमजोर है। ऐसे जातक वैशाख मास पर्यंत भगवान विष्णु और शिव का वैदिक अनुष्ठान करें। मंदिर प्रबंध समिति की जनसंपर्क अधिकारी गौरी जोशी के अनुसार भगवान श्री महाकालेश्वर पर सतत शीतल जलधारा प्रवाहित की जावेगी, जो प्रतिदिन प्रात: भस्मार्ती के पश्चात से सायंकाल पूजन तक रहेगी। श्री महाकालेश्वर मंदिर में परंपरा अनुसार प्रतिवर्ष वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से ज्येष्ठशुक्ल पूर्णिमा तक (दो माह) श्री महाकालेश्वर भगवान जी को शीतलता प्रदान करने के लिए प्रतिदिन लगने वाले अभिषेक पात्र (रजत कलश) के साथ मिट्टी के 11 कलशों से सतत जलधारा प्रवाहित करने हेतु गलंतिका बांधी जाती है। वैशाख व ज्येष्ठ माह में अत्यधिक उष्ण व ग्रीष्म ऋतु का होता है। भीषण गर्मी में भगवान श्री महाकालेश्वर जी को दो माह तक प्रतिदिन भस्मार्ती के पश्यात प्रात: 6 बजे से सायं 05 बजे संध्या पूजन तक गलंतिका बधेगी।

डॉ आंबेडकर जयंती पर माल्यार्पण किया जाएगा

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं जिला कांग्रेस अजा विभाग अध्यक्ष संदीप सलोद ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी दिनाक 14 अप्रैल 2025 सोमवार को प्रात: 9 बजे 'विश्व रत्न' बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की 134वीं जयंती के पावन मौके पर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर एवं कांग्रेस अजा विभाग द्वारा डॉ अम्बेडकर चौराहा मन्दसौर पर विश्व रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं जिला संगठन प्रभारी श्री जयवर्धनसिंह जी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जी जैन एवं वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहेंगे। डॉ तोमर ने सभी सम्मानित साथी, मित्र,अम्बेडकर अनुयायी और कांग्रेसजनों से अनुरोध किया है कि सभी साथियों सहित समय पर पधारें।

उठावना

रमेशचंद्र नीमा(अध्यापक) की धर्मपत्नी व बाबूलाल नीमा, स्व. राधेश्याम नीमा, प्रकाश नीमा की भाभीजी एवं संजय नीमा की माताजी एवं उज्वल ,आशीष ,मेहुल अमित एवं कपिल की बडी मम्मी, चेताली, अदिती, अक्षत, अनन्या, अथर्व, महिका, ओजस, सारांश की दादीजी, अर्पित, हर्षित, आयुष, वैभव की नानीजी,व अशोक कटलाना की बहन श्रीमती सुशीला नीमा का स्वर्गवास दिनांक 12 अप्रैल 2025 को हो गया है जिनका सयुंक्त उठावना दिनांक 14 अप्रेल सोमवार को प्रात: 10 बजे लायन्स डेन, डी मार्ट के पास यश नगर, मन्दसौर पर रखा है।

***** शोकाकुल *****
रमेशचंद्र नीमा, संजय नीमा, अशोक कटलाना (एडवोकेट), कैलाश कटलाना (रतलाम) अमित कटलाना (एडवोकेट) नीमा व कटलाना परिवार

धर्मधाम गीता भवन में श्री हनुमन्त प्रकटोत्सव पर....

सहस्त्र नाम यज्ञ में सैकड़ों श्रद्धालुजनों ने यज्ञ में आहुतियां दी

मंदसौर, 13 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। धर्मधाम गीता भवन में श्री हनुमन्त प्रकटोत्सव पर्व पर सहस्त्र नाम यज्ञ में गीता भवन में आने वाले प्रत्येक भक्तों ने मुक्त हस्त से आहुतियां दी। समूचे गीता भवन के श्री गीतेश्वर बालाजी के मंदिर की आकर्षक फूलों से गर्भगृह को श्रृंगारित किया गया, विद्युत सज्जा की गई। एक दिन पूर्व श्री गीतेश्वर बालाजी का जलाभिशेक किया, दूसरे दिन प्रात: जन्म आरती प्रात: 6 बजे हुई। गीता भवन के पुजारी पं. अभिषेक शर्मा ने युवा विद्वान पंडित हेमन्त भट्ट के मार्गदर्शन में अनुष्ठान किया।

गीता भवन के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज के सानिध्य में सचिव पं. अशोक त्रिपाठी की देखरेख में पर्व को मनाया गया। हनुमन्त सहस्त्र नाम यज्ञ में विनोद चौबे, नीता चौबे, शुभम बैरागी, पूजा बैरागी दम्पत्ति के अलावा गीता भवन महिला सत्संग प्रमुख विद्या उपाध्याय, अंजू तिवारी, पुष्पा पाटीदार, अशोक त्रिपाठी, प्रेमचंद सिसौदिया तथा चित्तौड़गढ़ से आये समाजसेवी सम्पतलाल कालिया विशेष रूप से हवन में बैठे। तथा प्रात: 10 बजे से 12.30 बजे पूर्णाहुति तक जितने भी भक्तजन आये सभी ने हनुमन्त सहस्त्र नाम में आहुतियां दी। हवन में प्रमुख रूप से अंजू तिवारी, कैलाशी बैरागी, मंजू राठौर, अंगुरबाला, पुष्पा पाटीदार, कीर्ति चौहान, ललिता, हेमलता कुंवर, गीता शर्मा, सुशीला मेहरा, हेमलता चौहान, सीमा दायमा, विभा पंचारिया, सुनिता गुप्ता, अनिता गुप्ता, शांतिबाई देवडा, भारती देवडा, रेखा चौहान, मंजू राठौर, कविता राणावत, टीना दानगढ, रेखा, नीलम शर्मा, ज्योति रेखा जैन, निर्मला सांखला, चीनू, सुरभी ढेबाना सहित अभिषेक शर्मा, फुन्दासिंह सिसौदिया सहित धार्मिक उत्सव समिति के सदस्यों विनोद मेहता के नेतृत्व में पूर्णाहुति आरती तथा सामूहिक हनुमान चालिसा में भाग लिया। इस अवसर पर समाजसेवी धार्मिक उत्सव समिति प्रमुख विनोद मेहता ने कहा कि गीता भवन का नाम न सिर्फ मालवांचल एवं प्रदेश में प्रमुख स्थान रखता है। स्वामी रामनिवासजी के मार्गदर्शन में गीता भवन ट्रस्ट ने दशपुर में अपना प्रमुख स्थान बनाया है। चित्तौड से आये समाजसेवी सम्पतलाल कालिया ने भी संबोधित किया।

बांसुरी वादिका की बांसुरी ने मन मोहा- हवन के पश्चात् बांसुरी वादिका फैनी जैन की बांसुरी वादन ने सभी का मन मोह लिया।

मातृशक्ति द्वारा सुंदरकांड पाठ- दोप. 3 बजे से गीता भवन में मातृशक्ति द्वारा सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन किया गया। सुंदरकांड के बाद सभी माता बहनों को शुद्ध घी की नुक्ती का प्रसाद वितरित किया। इसके अलावा प्रात: जन्म आरती, हवन तथा सुंदरकांड के बाद अनवरत फल, मिठाई नुक्ती का प्रसाद वितरण किया। समूची व्यवस्था गीता भवन ट्रस्ट की ओर से की गई।

ढोल आतिशबाजी के साथ महाआरती- संध्या बेला में क्षेत्रवासी सेवा भावी युवकों द्वारा श्री गीतेश्वर बालाजी की महाआरती की गई जिसमें आकर्षक आतिशबाजी ढोल तथा बडी संख्या में शामिल श्रद्धालुजनों ने महाआरती में भाग लिया।

कारे अबके खाता में पईसा... पेज 1 से जारी

इसे सरकार की वादाखिलाफी बताया है। वहीं, भाजपा नेताओं का कहना है कि योजना के तहत हर महीने किश्त समय पर दी जाती रही है। जल्द ही इस बार की राशि भी ट्रांसफर कर दी जाएगी।

मंत्री बोलीं- पैसे खातों में हर महीने हो रहे ट्रांसफर- पटवारी के बयान को लेकर महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया से लाडली बहना योजना की किश्त न आने को लेकर पूछा तो उन्होंने कहा- लाडली बहना योजना की राशि हर महीने जा रही है। सभी के खातों में इस माह भी राशि डाली जाएगी। कोई किश्त नहीं रूकेगी।

मंडला से सीएम करेंगे राशि ट्रांसफर- विभागीय अधिकारियों की मानें तो 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंडला में लाडली बहना योजना की राशि ट्रांसफर करेंगे। मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 16 अप्रैल को मंडला में कार्यक्रम प्रस्तावित है। वे टिकरवारा गांव में आयोजित 1100 बेटियों के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होंगे। इसी कार्यक्रम के दौरान वे लाडली बहना योजना की राशि का अंतरण करेंगे। निर्माण कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण भी होगा।

भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर सादर नमन

उद्यमिता की शक्ति लाएगी समृद्धि

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई लगाने के लिए

₹42 लाख तक ऋण सहायता

पात्रता - 3.50 एकड़ कृषि भूमि एवं डेयरी फार्मिंग में प्रशिक्षण

सब्सिडी 25% से 33%

पहले आएं, पहले पाएं पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें

- **मुख्यमंत्री उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत-** पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन, डेयरी किसानों की आय में वृद्धि और डेयरी क्षेत्र में रोज़गार के नए अवसरों का होगा निर्माण।
- **उन्नत नस्लों से बढ़ेगी आय -** भ्रूण प्रत्यारोपण कार्यक्रम और बांझ निवारण शिविरों के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधारने के कार्यक्रम।
- **मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम -** किसान आधुनिक डेयरी तकनीक और बाजार से जुड़ेंगे।
- **उत्कृष्टता को सम्मान -** प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ गौवंशीय और उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिए पुरस्कार कार्यक्रम।
- एक हितग्राही को अधिकतम आठ इकाइयां लगाने की पात्रता होगी।

प्रदेश में गौ-पालकों और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए "डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना" शुरू की जा रही है। गौ-माता की सेवा हमारी संस्कृति एवं संस्कारों का अहम हिस्सा है। हमने यह वर्ष गौ-माता की सेवा को समर्पित किया है।

प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 के तहत पंजीकृत गौ-शालाओं के गौ-वंश हेतु अनुदान अब ₹20 से बढ़कर ₹40 प्रति गौवंश प्रति दिवस मिलेगा। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिलें, इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभ्यारण्य के रूप में सागर जिले में 258.64 वर्ग किमी क्षेत्र में प्रदेश का 25वां अभ्यारण्य घोषित।

वन्य जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अहम निर्णय।

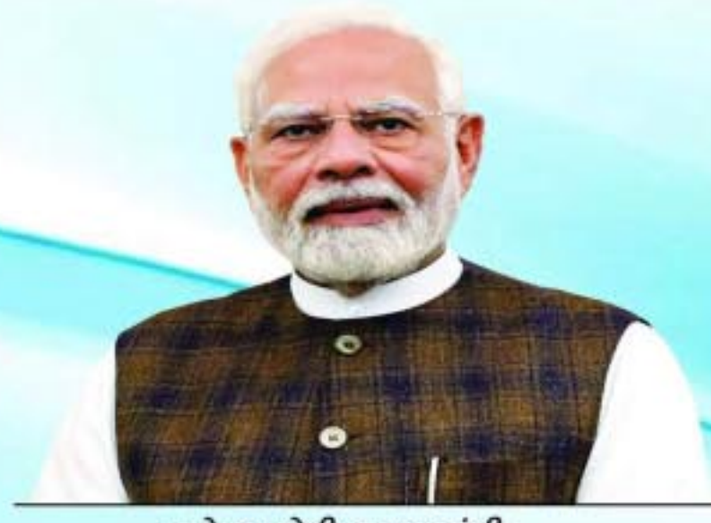

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

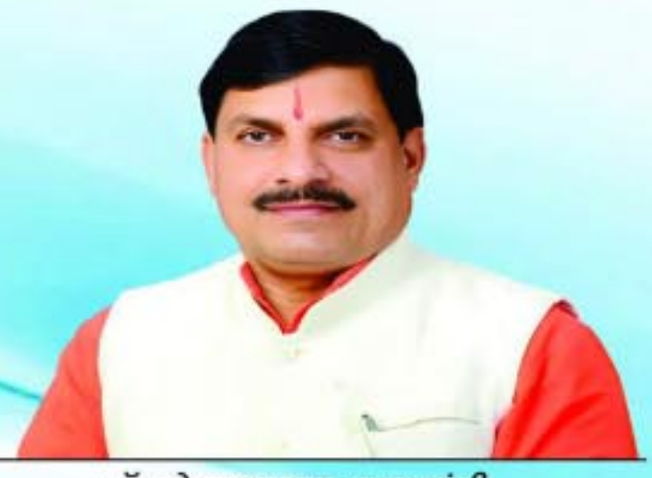

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-11011/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in